एमएसओ

समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम

द्वितीय वर्ष

एम.ए. समाजशास्त्र

जुलाई 2023 एवं जनवरी 2024 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों हेतु

ऐच्छिकपाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य

एमएसओई 001 : शिक्षा का समाजशास्त्र
एमएसओई 002 : प्रवासी और पराराष्ट्रीय समुदाय
एमएसओई 003 : धर्म का समाजशास्त्र
एमएसओई 004 : नगरीय समाजशास्त्र
एमपीएस 003 : भारत : लोकतंत्र और विकास
एमपीए 016 : विकेंद्रीकरण एवं स्थानीय शासन

समाजशास्त्रसंकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110068

पाठ्यक्रम कोड : एमएसओ
सत्रीय कार्य कोड : एमएसओई-001, 002, 003, 004, एमपीएस-3, एमपीए-16/
सत्रीय कार्य/टीएमए/2023–24

सत्रीय कार्य

प्रिय विद्यार्थी,

समाजशास्त्र मेंस्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (एम.ए. समाजशास्त्र) केसदंर्भ मेंकायर्क्रम दर्शिका मेंहमने बताया है कि समाजशास्त्र केप्रत्येक पाठयक्रम केलिए आपकोएक ***अध्यापक*** जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए) पूरा करना होगा।

इन सत्रीय कार्यों में प्रश्न पूछने का अर्थ आपकी योग्यता का पता लगाना है कि आप प्रश्न का वर्णन, विश्लेषण एवं आलोचनात्मक दृष्टि से इसे कैसे स्पष्ट करते हैं और इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि आपको विषयवस्तु की संपूर्ण जानकारी हैं और आप इस पर क्रमबद्ध एवं संसक्त ढंग से लिख सकते हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य में कुल मिलाकर दस प्रश्न हैं और यह दो भागों में विभाजित है। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न शामिल हैं।

प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में दें। अगर 10 अंक वाला लघु प्रश्न हो तो उसका उत्तर 250 शब्दों में दें। हमारा परामर्श है कि इन सत्रीय प्रश्नों को अपने सहपाठी तथा अकादमिक परामर्शदाता से चर्चा करके लिखने का प्रयास करें। जरूरी है कि आप सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें।

सत्रीय कार्य पूरा करके संबद्ध अध्ययन केंद्र के संयोजक को इसे निम्नलिखित समय–सूची के अनुसार भेज दें :

सत्रीय कार्य	**जमा कराने की तारीख**	**किसे भेजें**
जुलाई 2023 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी	**31 मार्च, 2024**	**संबद्ध अध्ययन केन्द्र का संयोजक**
जनवरी 2024 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी	**30 सितम्बर, 2024**	

जमा कराए गए सत्रीय कार्य के लिए अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य लें और इसे अपने पास रखें। यदि संभव हो तो सत्रीय कार्यों की प्रतिलिपि अवश्य रखें। मूल्यांकन के बाद अध्ययन केंद्र द्वारा सत्रीय कार्यों को लौटाना होगा। कृपया इसके लिए आग्रह करें। अध्ययन केंद्र को मूल्यांकन के बाद अंक, विद्यार्थी पंजीकरण एवं मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजना ज़रूरी होता है।

सत्रीय कार्य करते समय कुछ ज़रूरी बातों को ध्यान में रखना

सत्रीय कार्य करते समय निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना उपयोगी होगा :

1 **नियोजन :** सत्रीय, कार्यों को सावधानी से पढ़ें। इनसे जुड़ी इकाइयों का अध्ययन भलीभाँति करें। प्रत्येक प्रश्न से जुड़े उपयोगी बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित करें और फ़िर उन्हें तार्किक दृष्टि से क्रमबद्ध करें।

2 **व्यवस्थापन** : पक्का उत्तर लिखने से पहले कच्चा कार्य करें और फिर उत्तर लिखें। प्रारंभिक और अंतिम भाग की ओर पर्याप्त ध्यान दें।

3 **प्रस्तुति** : अपने उत्तर से संतुष्ट हों तो जमा कराने के नज़रिए से पक्का उत्तर लिखें। उत्तर साफ–साफ लिखें और ज़रूरी बिदुओं को रेखांकित करें। प्रत्येक उत्तर निर्धारित सीमा में होना आवश्यक है।

शुभकामनाओं सहित!

कार्यक्रम संयोजक
एम.ए.समाजशास्त्र
समाजशास्त्र संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इग्नू, मैदान गढी, नई दिल्ली–110068

इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
समाजशास्त्र में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य
एम.एस.ओ.ई.–001: शिक्षा का समाजशास्त्र

कार्यक्रम कोडः एमएसओ
पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.ओ.ई.–001
सत्रीय कोडः एम.एस.ओ.ई.–001 /सत्रीय कार्य/
टी.एम.ए. /2023–24
अधिभारित : 30%
पूर्णांक : 100

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

भाग– I

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर अवश्य दीजिए।

1. शिक्षा के अध्ययन के प्रकार्यात्मक दृष्टिकोण पर चर्चा कीजिए। **20**

2. लैंगिक, समाजीकरण और शिक्षा के परस्पर क्रिया की जाँच कीजिए। **20**

3. सांस्कृतिक एवं आर्थिक पुनर्रूत्पादन में शिक्षा की भूमिका की व्याख्या कीजिए। **20**

4. राजनीति के वर्चस्व की शैक्षिक पाठ्यक्रम द्वारा चर्चा कीजिए। **20**

5. राष्ट्र निर्माण में शिक्षा किस प्रकार सहायता करती है? चर्चा कीजिए। **20**

भाग– II

6. समकालीन समाज में बहुसांस्कृतिक शिक्षा की प्रासंगिकता की चर्चा कीजिए। **20**

7. ''महिला सशक्तिकरण के लिए शिक्षा एक साधन है।'' चर्चा कीजिए। **20**

8. भारत में शिक्षा की उन्नति के लिए संवैधानिक प्रावधानों की जाँच कीजिए। **20**

9. ज्ञान समाज से आप क्या समझते हैं? शिक्षा के संबंध में इसकी विवेचना कीजिए। **20**

10. भारत में मुक्त दूरस्थ शिक्षा द्वारा सामना की जाने वाली प्रमुख चुनौतियों की चर्चा कीजिए। **20**

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में वैकल्पिक पाठ्यक्रम
एमएसओई–002 : प्रवासी और अंतरराष्ट्रीय समुदाय
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कार्यक्रम कोड : एम.एस.ओ.
पाठ्यक्रम कोड : एमएसओई–002
सत्रीय कार्य कोड : एमएस ओई–002/सत्रीय कार्य/टीएमए/2023–24

कुलअंक : 100
अधिभार : 30%

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर (प्रत्येक) लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक भाग में कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भाग – क

1. चीनी प्रवासियों की प्रकृति का संक्षेप में परीक्षण कीजिए। 20

2. भारतीय प्रवासियों के पश्चिमी यूरोप में प्रवासन पैटर्न का वर्णन कीजिए। 20

3. भारतीय उत्प्रवास के पाँच पैटर्न क्या हैं? 20

4. औपनिवेशिक काल के दौरान भारतीय उत्प्रवास के ऐतिहासिक संदर्भ का वर्णन कीजिए। 20

सत्रीय कार्य II

5. भारतीय प्रवासियों के प्रतिनिधित्व में बॉलीवुड की भूमिका पर चर्चा कीजिए। 20

6. 'प्रतिभा पलायन' ('ब्रेन ड्रेन') की परिघटना पर एक टिप्पणी लिखिए। 20

7. आभासी समुदाय शब्द से आप क्या समझते हैं? 20

8. अमेरिका में भारतीयों को आदर्श अल्पसंख्यक क्यों माना जाता है? 20

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
एमएसओई-003 : धर्म का समाजशास्त्र
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कुल अंक : 100 **कार्यक्रम कोड : एमएसओ**
अधिभारिता : 30% **पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.ओ.ई-003**
सत्रीय कार्य कोड : एम.एस.ओ.ई-003/सत्रीय कार्य/टीएमए/2023-2024

किन्हीं पाँच प्रश्नों (प्रत्येक) का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर अवश्य दीजिए।

भाग – I

1. धर्म की प्रकार्यात्मक प्रस्तुतिकरण पर चर्चा कीजिए। 20
2. मैक्स वेबर के दृष्टिकोणों के संदर्भ में समाज में धार्मिक विशेषज्ञों की भूमिका का वर्णन कीजिए। 20
3. धर्म एवं अर्थव्यवस्था के बीच संबंधों की आलोचनात्मक जाँच कीजिए। 20
4. नुएर समाज के संदर्भ में बलिदान की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। 20
5. सरल प्रौटैस्टेन्टवाद एवं पूँजीवाद के बीच संबंधों पर चर्चा कीजिए। 20

भाग – II

6. प्रतीकों की पद्धति के रूप में धर्म की व्याख्या कीजिए। 20
7. धर्मनिरपेक्षता की यूरोपीय संकल्पना की व्याख्या कीजिए। 20
8. मौलिकतावाद एवं साम्प्रदायिकतावाद की अवधारणाओं की तुलना और अंतर स्पष्ट कीजिए। 20
9. भारत में ईसाई धर्म के उद्भव और प्रसार की विवेचना कीजिए। 20
10. बौद्ध धर्म के उद्भव के सामाजिक संदर्भ की जाँच कीजिए। 20

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
एमएसओई–004 : नगरीय समाजशास्त्र
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कुल अंक : 100 **कार्यक्रम कोड : एमएसओ**
अधिभारिता : 30% **पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.ओ.ई–004**
सत्रीय कार्य कोड : एम.एस.ओ.ई–004/सत्रीय कार्य/टीएमए/2023–2024

किन्हीं पाँच प्रश्नों (प्रत्येक) का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर अवश्य दीजिए।

भाग – I

1. शिकागो विचारधारा सिद्धांतवादियों का नगरीय समाजशास्त्र में योगदानों की चर्चा कीजिए। 20

2. शहर की संकल्पना को परिभाषित कीजिए और औद्योगिक शहर के प्रमुख विशेषताओं की चर्चा कीजिए। 20

3. पूर्व–औद्योगिक शहर क्या है? इसके लक्षणों का उदाहरण के सहित वर्णन कीजिए। 20

4. नये नगरीय समाजशास्त्र की चर्चा कीजिए। यह कैसे गठित होता है? 20

5. नगरीय क्षेत्रों में परिवार की प्रकृति क्या है? उदाहरण दीजिए। 20

भाग – II

6. भारत में सामाजिक परिवर्तन के विभिन्न पहलुओं की विवेचना कीजिए। भारत में क्या ग्रामीण क्षेत्रों का नगरीकरण हो रहा है? चर्चा कीजिए। 20

7. नगरीय भारत में व्यावसायिक संरचना का वर्णन कीजिए। आर्थिक उदारीकरण, निजीकरण और वैश्विकरण के बाद इसमें क्या बदलाव आये है? 20

8. समाज में औद्योगिकरण ने सामाजिक संस्थानों को किस तरह प्रभावित किया है? चर्चा कीजिए। 20

9. नगरीय पारिस्थितिकी क्या है और नगरीय पर्यावरण ने शहर में रह रहे लोगों को कैसे प्रभावित किया है? 20

10. नगरीय शासन में मीडिया की जिम्मेदारी एवं भूमिका की आलोचनात्मक चर्चा कीजिए। 20

एमपीएस–003 : भारत : लोकतंत्र एवं विकास
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एमपीएस-003
सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी/टीएमए/2023-24
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्र नों के उत्तरलगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) मेंदीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्र नों के उत्तरदीजिए। प्रत्येक प्र न 20 अंकका है।

भाग–I

1. स्वतंत्रता को लेकर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सी.पी.आई.) के दृष्टिकोण की व्याख्या करें।

2. भारतीय संविधान में उल्लेखित राज्य के नीति निर्देशक तत्वों (डी.पी.एस.पी.) की सुधारवादी क्षमता का मूल्यांकन करें।

3. ''नागरिकों के अधिकारों एवं हितों की रक्षा हेतु न्यायपालिका सबसे महत्त्वपूर्ण संस्था है।'' चर्चा करें।

4. भारतीय संघीय व्यवस्था में केंद्र की ओर झुकाव के पीछे क्या कारण एवं परिस्थितियां रहीं? परीक्षण कीजिये।

5. **निम्नलिखित विषयों पर करीब 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखें:**
   क) उच्चन्यायालयों का क्षेत्राधिकार
   ख) संसदीय सम्प्रभुता

भाग–II

6. बाज़ार अर्थव्यवस्था क्या है? इसके क्या लाभ और नुकसान हैं?

7. भारत में आर्थिक उदारीकरण के प्रभावों का विश्लेषण करें।

8. भारतीय राजनीति में क्षेत्रवाद की व्याख्या करें।

9. सततविकास के मापन व आकलन हेतु प्रमुख संकेतकों की चर्चा करें।

10. **निम्नलिखित विषयों पर करीब 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखें:**
    क) लैंगिक समानता
    ख) नियोजित अर्थव्यस्था

एम.पी.ए.–16 : विकेंद्रीकरण और स्थानीय शासन
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.-016
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.टी./टी.एम.ए./जुलाई 2023–जनवरी– 2024
पूर्णांक : 100

इस सत्रीय कार्य में खंड I और II हैं। प्रत्येक खंड में पांच प्रश्न हैं। आपको कुल पांच प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में होना चाहिए। प्रत्येक खंड से कम से कम दो प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खंड–I

1) भारत में विकेंद्रीकरण के संवैधानिक आयामों की चर्चा कीजिए। 20

2) 'सशक्तिकरण भारत में लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण का एक प्रमुख घटक है'। टिप्पणी कीजिए। 20

3) समाज में संशोधन के व्यापक वितरण के संदर्भ में जनता की वितरण की प्राथमिकता को प्रभावित करने वाले कारकों की व्याख्या कीजिए। 20

4) विकेंद्रीकृत विकास के प्रभाव का वर्णन कीजिए। 20

5) नई पंचायती राज व्यवस्था की कमजोरियों का परीक्षण कीजिए। 20

खंड– I I

6) 74 वें संविधान संशोधन अधिनियम की प्रमुख विशेषताओं की व्याख्या कीजिए। 20

7) ग्यारहवीं अनुसूची के संदर्भ में अंतर–स्तरीय जिम्मेदारियों पर चर्चा कीजिए। 20

8) विकास योजना में प्रमुख आवश्यकताएं क्या हैं? 20

9) लघु स्तरीय की योजना से जुड़े मुद्दों पर प्रकाश डालिए। 20

10) स्थानीय निकायों के संसाधनों पर एक टिप्पणी लिखिए। 20